

कलंकधर पुं. (तत्.) कलंक को धारण करने वाला, चंद्रमा।

कलंकांक पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा का काला धब्बा 2. बदनामी का निशान या दोष।

कलंकित वि. (तत्.) कलंक लगा हुआ, बदनाम, अपयशी, मोरचा या जंग लगा हुआ, कलंकी।

कलंगड़ा पुं. (तद्.) 1. तरबूज 2. संगीत का एक राग।

कलंगी स्त्री. (देश.) 1. जंगली या पहाड़ पर पैदा होने वाली भाँग 2. कलगी, मुर्गे की चोटी 3. मुर्गे की चोटी की भाँति का चीरा।

कलंज पुं. (तत्.) 1. एक पक्षी (चिड़िया) 2. जहरीले अस्त्र से मारा हुआ मृग या पक्षी 3. ऐसे पक्षी का मांस जिसे खाया जाना निषिद्ध हो 4. तंबाकू का पौधा।

कलंदर पुं. (अ.) 1. मुसलमान साधुओं का समुदाय 2. उक्त समुदाय का व्यक्ति 3. बंदर भालू नचाने वाला 4. ईश्वर के ध्यान तथा भजन में मस्त रहने वाला, फक्कड़ 5. खेमे का आँकुड़ा 6. एक वर्णसंकर जाति, उस जाति का व्यक्ति।

कलंब पुं. (तत्.) 1. बाण 2. कदंब 3. साग आदि का डंठल।

कलंबक पुं. (तत्.) एक प्रकार का कदंब।

कलंबिका स्त्री. (तत्.) 1. गर्दन 2 पीठ की ओर के गले का भाग 3. एक साग।

कल' स्त्री. (तद्.) 1. सुख, चैन, शांति में रहने की अवस्था 2. संतोष या धैर्य की स्थिति या भाव. उदा. "कल न परति दिन-रैन" मुहा. कल पड़ना-चैन आना, शांति मिलना 3. आज से ठीक पहले का दिन 4. क्रि.वि. आने वाला दिन, 'कल' (देश) जैसे- आज तो सोमवार है, रमेश कल मंगलवार को आएगा", कल का क्या ठिकाना, कल क्या होगा?।

कल^२ वि. (तत्.) 1. मंद मधुर, अस्पष्ट मधुर (ध्वनि) 2. सुहावना, सुंदर, कोमल, श्रुति मधुर,

प्रिय पक्षियों का कलरव उदा. बाल-मरालन्हि के कल जोटा -तुलसी. मानस 1/22/1।

कल^३ स्त्री. (तद्.) 1. अंग, अवयव 2. यंत्र, मशीन उदा. नई कल लगने से कारखाने में अच्छा काम हो रहा है 3. यंत्र या मशीन का पुर्जा, पेंच आदि जिसे घुमाना, दबाना उस यंत्र को सक्रिय करने या सक्रियता नियंत्रित करने की युक्ति हो 4. उपाय, युक्ति, तरकीब यथा- "बल से नहीं कल से काम लेना ठीक रहेगा" मुहा. कल ऐंठना/घुमाना/फेरना- किसी के मन को मनचाही दिशा में मोड़ देना, बहका देना, कल पाना- ढंग मालूम होना, कल-पुरजे जानना- पूरी स्थिति जानना, मनोवृत्ति पहचानना 5. कल्य, आरोग्य, तंदुरुस्ती, आराम, सुख 6. स्त्री. (कला) पार्श्व, बगल, पहलू वि. काला का संक्षिप्त रूप, जैसे- 'कलमुँहा'।

कलई स्त्री. (अर.) 1. राँगा 2. राँगे का पतला लेप जिससे पीतल आदि धातुओं के बरतनों को चमकाया जाता है 3. मुलम्मा 4. चूना 5. चूने से की गई पुताई 6. बाहरी चमक-दमक 7. बनावटी स्वरूप, कृत्रिमता मुहा. 1. कलई-खुलना, रहस्य या भेद खुलना, असलियत प्रगट हो जाना 2. कलई खोलना/भंग करना, रहस्य प्रगट कर देना।

कलईगर पुं. (अर.) कलई करने वाला व्यक्ति।

कलईदार वि. (अर.) कलई किया हुआ, चमक-दमक वाला।

कलउ पुं. (तद्.) 'कलियुग'।

कलकंठ पुं. (तत्.) मधुर स्वर करने वाला-हंस, कबूतर स्त्री. कोयल काक उदा. कहहिं-कलकंठ कठोरा -तुलसी-मानस 1/69/17।

कलकंठि स्त्री. (तद्.) "कलकंठिनी", मधुर कंठ वाली-कोयल, कोकिल उदा. सुनि कलख कलकंठि लजानी।

कलकंठिनी स्त्री. (तत्.) कलकंठी, मधुर कंठ स्वर वाली; कोयल, कोकिल।

कलकंठी वि. (तत्.) मधुर कंठ स्वर वाला।